3- ऋण का इकरारनामा

हम निम्नांकित व्यक्ति जो क्रमशः क.. ख.. आयु लगभग .....सुपुत्र श्री..... उस धनराशि और सीमा तक ऋणदाता है जो इस पत्र के अंत में हमारे नामों के सामने लिखा है तथा हम अलग–अलग अपने–अपने ऋणों के सम्पूर्ण उन्मोचन (Discharge) को स्वीकार करते हैं। जिसका प्रषमन .....पैसा प्रति रूपये की दर से किया जायगा तथा जिसकी अदायगी निम्नलिखित रीति से की जायगी। (यहॉ अदायगी की शर्त या किश्तों का ब्योरा दीजिए। यदि ऋण अचल सम्पत्ति के विरूद्ध लिया गया है तो उसका संक्षिप्त विवरण अंकित करें) उक्त विभिन्न अदायगियों तथा उनकी किश्तों की धनराशि के निमित्त ..... आयु.....वर्ष सुपुत्र.....निवासी.....का वचन पत्र (Promissory note) ही प्रतिभूति (Security) होगा। और उक्त किस्तों तथा रीति से प्रषमन की अदायगी हो जाने पर हम अलग–अलग इस बात का इकरार करते है कि उक्त क.. ख... की प्रार्थना दिनांक .....तथा उसके खर्च पर उसके पक्ष में अपने अपने सभी उक्त ऋणों और उक्त ऋणों से सम्बन्धित दावों मागों (Demand) उपचारों (Remedy) से सम्पूर्ण सम्मोचन (Release) तथा उन्मोचन (Discharge) कर देगें। और यदि उक्त प्रषमन की हमारे द्वारा क्रमशः ऐसे सम्मोचन सम्बन्धी निष्पादन सम्बन्धी निष्पादन के पूर्व ही अदायगी कर दी जायगी तो उक्त प्रषमन की उपर्युक्त रीति से पूर्ण अदायगी और उक्त सम्मोचन तक के लिए यह पत्र हम पर बाध्य होगा और उक्त क.. ख... के प्रति हमारे क्रमशः होने वाले ऋण तथा उस ऋण से सम्बन्धित दावों तथा मांगों का तथा उक्त सारे ऋण की वसूली अधिकारों तथा उपचारों का उन्मोचन करेगा और हमारे अलग–अलग के उक्त ऋणों के सम्बन्ध में हममें से किसी के द्वारा उक्त क... ख... के विरूद्ध चलाए गये वाद के विरूद्ध इस पत्र के आधार पर अभिवचन (Pleaded) किया जा सकेगा तथा उसको इसी रूप में प्रयुक्त किया जा सकेगा। आज 200.....के.....के दिन को.....पर दिनांकित किया गया है।

(हस्ताक्षरित)

1 / 2 / 3 / 4 / 5

क्रम संख्या

ऋणदाताओं के नाम तथा पूरा पता

ऋण की धनराशि

ऋण किस प्रकार प्राप्त किया

ऋणदाताओं के हस्ताक्षरों गया के साक्षी

आदि

साक्षी–1

–2